तापमान

भोपाल	39.6°	24.2°
इंदौर	39.6°	23.1°
जबलपुर	37.6°	25.1°
ग्वालियर	39.7°	21.3°

दैनिक
नईदुनिया

वर्ष- 78
(भोपाल : वर्ष 40 अंक 134, पृष्ठ 12)
रविवार 13 अप्रैल 2025
राजधानी संस्करण
कीमतः 3:00 रुपये

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

राजधानी... गौ-शालाओं से मध्यप्रदेश में गौ-सेवा की...

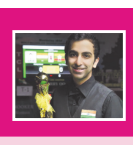

खेल... पंकज आडवाणी का जलवा, डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले...

व्यापार... भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन पहुंचेगा...

देश-विदेश... नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह को तलब कर...

www.naiduniaonline.com

लाल किले ने सुनाई सम्राट विक्रमादित्य की कहानी का मंचन...

रोमांचित हो गए दर्शक, बोले- ऐसा पहले कभी नहीं देखा

भोपाल(काप्र)।

भारत के संघर्ष और आजादी के साक्षी रहे नई दिल्ली के लाल किले की रंगत शनिवार अप्रैल की शाम बदली-बदली सी रही। इस लाल किले ने आज सम्राट विक्रमादित्य की कहानी जन-जन तक पहुंचाई। लोग इस पराक्रमी राजा की गाथा को सुनकर रोमांचित हो गए। मौका था लाल किले के माधवदास पार्क में आयोजित सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन का।

इस महामंचन में 250 कलाकारों ने इस विक्रम संवत युग के प्रवर्तक राजा के जीवन संघर्ष को जीवंत किया। इस महामंचन को देखने हजारों दर्शक कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इस दौरान उनका उत्साह देखने लायक था। दर्शकों का कहना था कि ऐसा ऐतिहासिक मंचन उन्होंने कभी नहीं देखा। देश के उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन का शुभारंभ किया। वे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल उपस्थित

थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नई दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय पर्यटन-संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत विशेष रूप से शामिल हुए। लाल किले के माधवदास पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान और दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इस अवसर पर उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव साधुवाद के पात्र हैं। आपने दिल्ली के दिल को छूआ है। वह दिन दूर नहीं जब दिल्लीवालों को रिवर फ्रंट यमुना पर भी इस तरह का कार्यक्रम देखने को मिलेगा। जीवन का समर्पण राष्ट्र के निर्माण के लिए है। आज हम सभी का मन प्रफुल्लित है। लंबे अंतराल के बाद भारत ने एक नए युग में प्रवेश किया है। भारत लगातार विकास कर रहा है। इसकी संपन्नता बढ़ रही है। दुनिया की नजर आज भारत पर है। हमारा जुड़ाव सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रति भी होना चाहिए। दुनिया में कोई देश ऐसा नहीं है जिसकी सांस्कृतिक विरासत 5000 साल पुरानी हो। ऐसी परिस्थिति में आज का कार्यक्रम हमारे युग का नया आयाम है। महान सम्राट विक्रमादित्य न्याय (शेष पेज 2 पर)

यह पहल देश की सांस्कृतिक चेतना को सशक्त करेगी : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में होने वाले तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य और इससे जुड़ी प्रदर्शनियों के आयोजन की सराहना की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संदेश में कहा है कि मुझे खुशी है कि मध्यप्रदेश के ऊर्जावान मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस महोत्सव के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य की गौरवगाथा और वैभव को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कार्यक्रम के आयोजकों एवं इसमें हिस्सा ले रहे देश के कलाकारों को आयोजन की सफलता की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने संदेश में लिखा है कि युगपुरुष सम्राट विक्रमादित्य का शासनकाल जनकल्याण, सुशासन और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए (शेष पेज 2 पर)

शिवाजी महाराज महाराष्ट्र तक सीमित नहीं, उनकी एकता की विरासत देश के लिए प्रेरणाः शाह

रायगढ़ (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मराठा योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रायगढ़ किले में जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी यह यात्रा शिवाजी महाराज की समाधि के जीर्णोद्धार के शताब्दी समारोह के अवसर पर भी हुई।

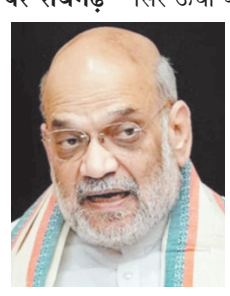

शाह के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार के अलावा भाजपा नेता और शिवाजी के वंशज उदयनराजे भोसले भी थे। छत्रपति शिवाजी महाराज का अप्रैल 1680 में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण रायगढ़ किले में निधन हो गया था। शाह ने कहा कि न किस्मत उनके साथ थी, न अतीत उनके साथ था, न धन था, न सेना थी। एक बालक ने अपने अदम्य साहस और दृढ़ निश्चय से पूरे देश को स्वराज का मंत्र दिया। देखते ही देखते उसने 200 साल पुरानी मुगल हुकूमत को चकनाचूर कर दिया और देश को आजाद करा दिया। उन्होंने कहा कि आज आजादी के 75 साल बाद हम दुनिया के सामने सिर ऊंचा करके खड़े हैं। हमारा संकल्प है कि जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे, तब हमारा भारत दुनिया में नंबर 1 होगा, शिवाजी ने अपना मूल सपना रखा था। शाह ने दावा किया कि शिवाजी महाराज की विरासत सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि देश और दुनिया को उनके आदर्शों की जरूरत है। शाह का यह दौरा राज्य में बढ़ते राजनीतिक तनाव की पृष्ठभूमि में हो रहा है, जिसमें औरंगजेब और शिवाजी महाराज जैसे ऐतिहासिक व्यक्तियों की विरासत को लेकर बहस तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री रायगढ़ और नासिक जिलों के लिए संरक्षक मंत्रियों की विवादास्पद नियुक्ति के संबंध में महायुति गठबंधन के नेताओं के साथ महत्वपूर्ण चर्चा करेंगे।

ग्रामीण विकास योजनाओं को आदर्श तरीके से लागू किया जा रहाः शिवराज

मधुबनी (एजेंसी)। बिहार चुनाव से पहले भाजपा कार्यालय में आज एनडीए की बड़ी बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे से पहले बिहार में एनडीए की बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद शिवराज ने कहा कि एनडीए की राज्य और केंद्र सरकार एक विकसित बिहार का निर्माण कर रही है। यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री मोदी 24 अप्रैल को बिहार के लोगों को कई सौगात देने आ रहे हैं। कई परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास होगा और बिहार के लोगों को ग्रामीण विकास योजनाओं का लाभ भी दिया जाएगा। शिवराज ने कहा कि आज हमने तैयारियों की व्यापक समीक्षा की है। बिहार के लोगों में उत्साह है, लाखों लोग मधुबनी आएंगे और ऐतिहासिक कार्यक्रम (शेष पेज 2 पर)

खास-खबरें

दंतेवाड़ाः दो इनामी समेत आठ नक्सलियों का आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में दो इनामी नक्सलियों सहित कुल आठ नक्सलियों ने शनिवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। सभी नक्सलियों ने दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक (एसपी) गौरव रॉय के समक्ष आत्मसमर्पण किया। पुलिस के अनुसार आत्मसमर्पण करने वाले दो नक्सलियों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वाले ये सभी माओवादी अलग-अलग क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियों में सक्रिय थे और कई मामलों में पुलिस को इनकी लंबे समय से तलाश थी।

कश्मीर में भूकंप के हल्के झटके महसूस

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में शनिवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किये गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, आज अपरान्ह करीब एक बजे पड़ोसी देश पाकिस्तान में भूकंप के मध्यम झटके महसूस किये गये है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.8 आंकी गयी और जो जमीनी सतह से 10 किलोमीटर गहराई में स्थित था। भूकंप का केंद्र रावलपिंडी से 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में 33.70 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 74.46 पूर्वी देशांतर पर स्थित था। इसके झटके कश्मीर के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण 26/11 के पीड़ितों के लिए...

न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम : जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26/11 आतंकी हमलों के मामले में एक बड़ी सफलता के रूप में मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका ने भारत प्रत्यर्पित कर दिया है। यह कदम 2008 के हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के भारत के लंबे समय से चले आ रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसकी सराहना करते हुए इसे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि हमारे दोनों देशों के बीच आतंकवाद विरोधी सहयोग की सराहना करता हूं। यह वास्तव में 26/11 के हमलों के पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। एस जयशंकर वास्तव में राणा को अमेरिकी अधिकारियों से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सफलतापूर्वक सौंपे जाने पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की टिप्पणी का जवाब दे रहे थे। रुबियो ने एक्स पर लिखा कि हमने तहव्वुर हुसैन राणा को 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों में उसकी भूमिका के लिए आरोपों का सामना करने के लिए भारत को प्रत्यर्पित किया।

सेना ने आतंकवादियों के घुसपैठ की कोशिश नाकाम की

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू के सुंदरबनी सेक्टर के केरी बट्टल इलाके में सेना ने शुक्रवार रात आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया। मुठभेड़ में एक जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) शहीद हो गया। सेना ने शनिवार को एक्स पर लिखा कि जीओसी व्हाइट नाइट कोर और सभी रैंक 9 पंजाब के बहादुर उप निरीक्षक कुलदीप चंद के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। उन्होंने 11 अप्रैल की रात को सुंदरबनी के केरी बट्टल क्षेत्र में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ विरोधी अभियान का बहादुरी से नेतृत्व करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। सेना ने कहा कि उनकी टीम की वीरता और उप निरीक्षक कुलदीप के बलिदान ने आतंकवादियों की घुसपैठ को कोशिश को नाकाम कर दिया।

हिंदुओं को पश्चिम बंगाल से भागने पर होना पड़ रहा मजबूर

बेगूसराय (एजेंसी)। मुर्शिदाबाद हिंसा को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला किया और कहा कि हिंदुओं को राज्य से भागने के लिए मजबूर किया जा रहा है। सिंह ने बेगूसराय में संवाददाताओं से कहा कि मुसलमानों के साथ-साथ हिंदुओं की सुरक्षा भी ममता बनर्जी की जिम्मेदारी है।

मुर्शिदाबाद हिंसा से पता चलता है कि हिंदुओं को पश्चिम बंगाल से भागने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह सब यह तब हुआ जब मुर्शिदाबाद में वक्फ अधिनियम का विरोध करने वाले प्रदर्शन हिंसक हो गए।

सुको ने राज्यपाल के अधिकारों के बाद अब राष्ट्रपति के लिए तय की समय सीमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा विचार के लिए आरक्षित विधेयकों पर, उसे भेजे जाने की तिथि से तीन महीने के भीतर निर्णय लेना चाहिए। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने 8 अप्रैल को 415 पृष्ठों के फैसले में 10 विधेयकों को मंजूरी दे दी, जिन्हें तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए सुरक्षित रख लिया था। उन्होंने सभी राज्यपालों के लिए राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए एक समयसीमा निर्धारित की और कहा कि हम गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित समयसीमा को अपनाना उचित समझते हैं।

आगरा में करणी सेना का शक्ति प्रदर्शन पुलिस को घेरा, लहराईं तलवारें

आगरा (एजेंसी)। यूपी के आगरा में आज करनी सेना का शक्ति प्रदर्शन है। स्वाभिमान रैली को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। राणा सांगा जयंती पर आयोजित यह जनसभा एतमादपुर क्षेत्र के गढ़ी रामी गांव में हो रही है। पुलिस और करनी सेना के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए है। करनी सेना ने पुलिस को घेरा है, जमकर नारेबाजी की है और तलवारें लहराईं। स्वाभिमान रैली में करनी सेना के 80 हजार से ज्यादा सैनिक पहुंचे। उत्तर प्रदेश के अलावा दूसरे राज्य जैसे, हरियाणा, राजस्थान से भी कार्यकर्ता आए। सभी आगरा में राणा सांगा की जयंती मनाने पहुंचे है।

वक्फ कानून हमने नहीं बनाया उसका जवाब केंद्र से मांगोः ममता

कोलकाता (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर राज्य भर में व्यापक हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को लोगों से शांति बनाए रखने और धर्म के नाम पर किसी भी तरह के अधर्मी व्यवहार से दूर रहने का आग्रह किया। यह शुक्रवार को बंगाल के कई हिस्सों में वक्फ अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के हिंसक हो जाने के बाद आया है, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने वाहनों को आग लगा दी, सुरक्षा बलों के साथ झड़प की, सड़क और रेल यातायात को बाधित किया और कम से कम 15 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

श्री झूलेलाल जयंती की अनंत शुभकामनाएं...

सुशील लहरवानी अध्यक्ष

अशोक बुधवानी सचिव

परमानंद पंजवानी कोषाध्यक्ष

मनोहरलाल गंगवानी

सुरेश हसरेजा

सेवकराम दरयानी

अशोक बेबल सौम्या

सुरेश मोहनानी

अशोक सुन्दरानी

बंटू सोनवानी

कमलेश सुन्दरानी

निर्मल भोले

राजा नागवानी

मुकेश माखीजा

बृंदा महाराज

सत्री लहरवानी

अनिल सुन्दरानी

रमेश छबलानी

नवीन पृथ्वानी

बल्लू नागवानी

कैलाश हासानी

श्री झूलेलाल मंदिर ट्रस्ट, सागर